>

Title: Need to provide rake point at Modasa Railways Station in Sabarkantha Parliamentary Constituency of Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): आदरणीय सभापति जी, आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र साबरकांठा एक आदिवासी एवं दलित बाहुल्य क्षेत्र है। यहां के निवासी जीवनयापन हेतु कृषि तथा पशुपालन पर निर्भर करते हैं। मेरा संसदीय क्षेत्र आजादी के 65 साल के लंबे अंतराल के बाद भी रेलवे के विकास की दृष्टि से देश का सबसे पिछड़ा क्षेत्र है। आज भी यहां से दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में जाने के लिए कोई रेल सेवा नहीं है। मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि हर वर्ष रेल बजट पेश करते हुए रेल मंत्रालय द्वारा नई रेलगाड़ियां चलाए जाने की घोषणा की जाती है। मेरे द्वारा सदन में अपने क्षेत्र में रेलवे के विकास का मुद्दा उठाने तथा अनेक बार माननीय रेल मंत्रियों का इस संबंध में प्रतिवेदन देने के बाद भी एक भी जायज मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। यह 25 लाख लोगों के जनप्रतिनिधि के साथ अन्याय तथा क्रूर मजाक है। अभी तक के सभी रेल मंत्रियों ने सिर्फ अपने क्षेत्र में ही रेल विकास पर ध्यान दिया है। वे हमारे क्षेत्र जैसे देश के दूरस्थ पिछड़े क्षेत्र की तरफ भूले बिसरे ही बने रहे हैं। आज तक किसी रेल मंत्री ने यहां की सुध नहीं ली है। मेरे क्षेत्र में मोडासा रेल लाइन पर चलने वाली एकमात्र रेलगाड़ी की रफ्तार 25 किलोमीटर प्रति घंटा है जो आज के युग में मालगाड़ी और ट्रैक्टर से बेहतर नहीं है।

मेरे संसदीय क्षेत्र में रेलवे गुड्स का एक भी रेक प्वाइंट नहीं है। इस वजह से क्षेत्र के किसानों को उर्वरक तथा अन्य कृषि संबंधी उपकरणों के लिए गंभीर दिक्कतों का लगातार सामना करना पड़ रहा है। एक विशाल क्षेत्र का जनप्रतिनिधि होने के नाते जब भी मैं रेलवे के विकास की बात कहता हूं तो रेल मंत्रालय अधिकारियों द्वारा यह कहकर टाल दिया जाता है कि वहां रेलवे को फायदा नहीं होगा। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि विलंबित रेल परियोजनाओं की वजह से तथा अन्य इसी तरह के कारणों से रेलवे को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। इसकी भरपाई कौन करेगा? मेरा निवेदन है कि देश में लोक सेवा की भावना से रेलवे का परिचालन होना चाहिए न कि लाभ हानि के नजरिए से होना चाहिए। लोकतंत्र में लोकभावना का स्थान सर्वोपरि है। मेरा कहना है कि कुछ असंवेदनशील और अदूरदर्शी रेल अधिकारी विकास की रेखा से जोड़ने वाली रेल को अपनी निजी जागीर न समझकर लोकभावना के अनुरूप कार्य करें। अगर मेरे संसदीय क्षेत्र में रेलवे का विकास न होने से क्षुब्ध जनता की मांग पर मुझे जन आंदोलन का नेतृत्व करना पड़ा, तो इसके लिए रेल मंत्रालय जिम्मेदार होगा। मैं आज एक बार फिर इस सदन में रेल मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि यहां तत्काल रेलवे गुड्स रेक प्वाइंट की स्थापना की जाए जो भले ही अस्थायी स्वरूप में हो, इससे किसानों को राहत मिलेगी। इसके साथ मोडासा से मुंबई के लिए नई रेलगाड़ी का प्रावधान किया जाए या कनेक्टिविटी की जाए। अगर नई लाइन नहीं मिल सके तो कनेक्टिविटी मिलनी चाहिए। मेरा निवेदन है कि पूरे क्षेत्र में सम्यक विकास तत्काल शुरु किया जाए।